MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Centrum Microcredit: Boosting Micro-Entrepreneurs in Chhattisgarh

Region: Chhattisgarh

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	20.05.2021	Agradoot	Bilaspur
2.	22.05.2021	Aaj Ki Jandhara	Bilaspur
3.	20.05.2021	Nav Bharat	Bilaspur
4.	19.05.2021	Desh Bahndu	Bilaspur
5.	20.05.2021	Hari Bhoomi	Bilaspur
6.	23.05.2021	Samvet Sikhar	Bilaspur
7.	23.05.2021	Swadesh	Bilaspur
8.	18.05.2021	Tarun Chhattisgarh	Bilaspur

Publication	Agradoot
Edition	Bilaspur
Date	May 20, 2021
Page No.	5

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिटः छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके। परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था , तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा।

Publication	Aaj Ki Jandhara
Edition	Bilaspur
Date	May 22, 2021
Page No.	4

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके।परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था , तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है।

Publication	Nav Bharat
Edition	Bilaspur
Date	May 20, 2021
Page No.	5

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिटः छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर। महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके। परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था, तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ हुई कुछ दौर की चर्चा के बाद सुषमा ने तय किया कि वह जॉइंट लेंडिंग ग्रुप के साथ जुड़ेंगी। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा। सभी ने मिलकर महिलाओं के कपड़े सिलना शुरू किया। जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, सुषमा भी आर्थिक तौर पर स्वतंत्र बन गईं। अब वह अपने परिवार को सहयोग कर पा रही हैं। उसका बिजनेस और आय का अवसर परिवार के लिए उत्साह के साथ-साथ जीवन में एक उम्मीद भी लेकर आया। फिलहाल सुषमा अपने दूसरे लोन की प्रक्रिया में शामिल हैं। उनकी योजना ऑल इन वन सिलाई मशीन खरीदने की है, जो फाल, पिको, एम्ब्रायडरी का काम करेगी ताकि बिजनेस और बढ़े। उनका परिवार अब समाज में सम्मानीय जीवन जी रहा है। सुषमा वस्त्राकर ने कहा, मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की आभारी हूं, जिसने मेरे सपनों को पूरा करने में मेरी मदद की और मेरे जीवन के स्तर में बड़ा बदलाव लाया। मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के साथ जुड़कर बेहद खुश हूं। उनके समय पर दिए गए लोन के बूते मैंने अपना जीवनर को आकार दिया है।

Publication	Desh Bahndu
Edition	Bilaspur
Date	May 19, 2021
Page No.	4

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट : छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर। महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके।

परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था, तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है।

परिवार और दोस्तों के साथ हुई कुछ दौर की चर्चा के बाद सुषमा ने तय किया कि वह जॉइंट लॉयबिलिटी ग्रुप के साथ जुड़ेंगी। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा। सभी ने मिलकर महिलाओं के कपड़े सिलना शुरू किया।

जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, सुषमा भी आर्थिक तौर पर स्वतंत्र बन गईं। अब वह अपने परिवार को सहयोग कर पा रही हैं। उसका बिजनेस और आय का अवसर परिवार के लिए उत्साह के साथ-साथ जीवन में एक उम्मीद भी लेकर आया।

फिलहाल सुषमा अपने दूसरे लोन की प्रक्रिया में शामिल हैं। उनकी योजना ऑल इन वन सिलाई मशीन खरीदने की है, जो फाल, पिको, एम्ब्रायडरी का काम करेगी ताकि बिजनेस और बढ़े। उनका परिवार अब समाज में सम्मानीय जीवन जी रहा है। वह एक सफल एंटरप्रेन्योर बनकर बेहद खुश है। साथ ही वह मां के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने में सक्षम है। वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की आभारी है, जिसने कई महिलाओं की मदद की है।

सुषमा वस्त्राकर ने कहा, मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की आभारी हूं, जिसने मेरे सपनों को पूरा करने में मेरी मदद की और मेरे जीवन के स्तर में बड़ा बदलाव लाया। मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के साथ जुड़कर बेहद खुश हूं। उनके समय पर दिए गए लोन के बूते मैंने अपना जीवनस्तर को आकार दिया है।

Publication	Hari Bhoomi
Edition	Bilaspur
Date	May 20, 2021
Page No.	4

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट : छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके। परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था, तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ हुई कुछ दौर की चर्चा के बाद सुषमा ने तय किया कि वह जॉइंट लेंडिंग ग्रुप के साथ जुड़ेंगी। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा। सभी ने मिलकर महिलाओं के कपड़े सिलना शुरू किया।

Publication	Samvet Sikhar
Edition	Bilaspur
Date	May 23, 2021
Page No.	3

छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट:

बिलासपुर महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है।उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके। परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था, तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ हुई कुछ दौर की चर्चा के बाद सुषमा ने तय किया कि वह जॉइंट लेंडिंग ग्रुप के साथ जुड़ेंगी। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा। सभी ने मिलकर महिलाओं के कपड़े सिलना शुरू किया।

Publication	Swadesh
Edition	Bilaspur
Date	May 23, 2021
Page No.	7

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर। महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट एंटरप्रेन्योर्स महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है।

उनके पति की आय चार लोगों के परिवार की जरूरतों को पूरा करने को लेकर अपर्याप्त थी। परिवार मुश्किल से कुछ बचत कर पा रहा था। उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही थी। थोड़े से पैसे बचाकर सुषमा ने सिलाई मशीन ली और कपड़ों की सिलाई शुरू की ताकि परिवार की मदद करने के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सके। परिवार जब चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा था तब अप्रत्याशित रूप से जीवन ने सकारात्मक मोड़ लिया। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। आज सुषमा का कारोबार खूब फलफूल रहा है।

Publication	Tarun Chhattisgarh
Edition	Bilaspur
Date	May 18, 2021
Page No.	5

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट : छत्तीसगढ़ में माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स को मिल रहा बढ़ावा

बिलासपुर महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने के मामले में माइक्रोफाइनेंस महती भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की रहने वाली सुषमा वस्त्राकर की कहानी भी इससे कुछ अलग नहीं है। एक दिन सुषमा की मुलाकात सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के लोन ऑफिसर से हुई। उन्होंने सुषमा को ग्रुप लोन के बारे में बताया कि कैसे यह लोन सुषमा की मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ हुई कुछ दौर की चर्चा के बाद सुषमा ने तय किया कि वह जॉइंट लेंडिंग ग्रुप के साथ जुड़ेंगी। सुषमा ने पहली बार 50 हजार रुपए के लोन के लिए आवेदन दिया। सुषमा ने इन पैसों को दो और सिलाई मशीन खरीदने में खर्च किया। साथ ही अपने बिजनेस को सपोर्ट करने के लिए दो और सहेलियों को अपने साथ रखा। सभी ने मिलकर महिलाओं के कपड़े सिलना शुरू किया। जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, सुषमा भी आर्थिक तौर पर स्वतंत्र बन गईं। अब वह अपने परिवार को सहयोग कर पा रही हैं। उसका बिजनेस और आय का अवसर परिवार के लिए उत्साह के साथ-साथ जीवन में एक उम्मीद भी लेकर आया।